17.कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती

https://www.youtube.com/watch?v=GbVgtAFEbHk

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. किससे डरकर नौका पार नहीं होती ?

उत्तर : लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती।

२.किनकी हार नहीं होती है ?

उत्तर : कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती है।

३. दाना लेकर कौन चलती है ?

उत्तर : दाना लेकर चींटी चलती है।

४. चींटी कहाँ चढ़ती है ?

उत्तर : चींटी दीवारों पर चढ़ती है।

५. किसकी मेहनत बेकार नहीं होती ?

उत्तर : चींटी की मेहनत बेकार नहीं होती।

६. सागर में डुबकियाँ कौन लगाता है ?

उत्तर : सागर में डुबकियाँ गोताखोर लगाता है।

७. मोती कहाँ मिलता है ?

उत्तर : मोती गहरे पानी में मिलता है।

८. किसकी मुट्ठी खाली नहीं होती ?

उत्तर : जो हमेशा कोशिश करते हैं उसकी मुट्ठी खाली नहीं होती।

९. किसको मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए ?

उत्तर : जो जीतने का लक्ष्य रखते हैं उसे मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए।

१०.कुछ किये बिना ही क्या नहीं होती है ?

उत्तर : कुछ किये बिना ही जय-जयकार नहीं होती है।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. चींटी के बारे में कवि क्या कहते हैं ?

उत्तर : चींटी के बारे में कवि इस प्रकार कहते हैं कि, छोटी सी चींटी दाना लेकर चलती है। दीवारों पर चलते हुए अनेक बार फिसल जाती है। फिर वह मन में विश्वास और रगों में साहस भर लेती है। चढ़कर गिरना गिरकर चढ़ना उसे बुरा नहीं लगता है। आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती है। अर्थात कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती है।

२. गोताखोर के बारे में कवि के क्या विचार हैं ?

उत्तर : गोताखोर के बारे में कवि के विचार इस प्रकार हैं कि,अमूल्य मोती समुद्र में मिलती है। गोताखोर समुद्र में डुबकियाँ लगाता है। वह समुद्र के गहरे पानी जाकर दुगुने उत्साह और आश्चर्यचकित होकर ढूँढता है। अंत में उसे मोती मिल जाती है। जो कोशिश करता है उसे सदा सफलता मिलती ही है।

३. असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि क्या संदेश देते हैं ?

उत्तर : असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि यह संदेश देते हैं कि,असफलता को एक चुनौती मानकर उसे स्वीकार करना है। जब तक सफल न होते तब तक नींद तथा चैन त्याग देना है। संघर्ष के मैदान को छोड़कर कभी-भी न भाग जाना है। कुछ किए बिना जय-जयकार नहीं होती है। कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती है।

III. जोड़कर लिखिए :

अ	ब	उत्तर
१. लहर	डुबकियाँ	नौका
२. चींटी	चुनौती	दाना
३. गोताखोर	सुधार	डुबकियाँ
४. असफलता	दाना	चुनौती
५. कमी	नौका	सुधार
	सहज	

IV. भावार्थ लिखिए :

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रहों में साहस भरता है, चढ़कर गिरना,गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती, कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

भावार्थ : इस पद्य भाग में कवि श्री सोहनलाल व्दिवेदी जी ने सतत प्रयत्नशील व्यक्ति की सदा जीत होने के विषय के बारे में वर्णन करते हुए इस प्रकार कहते हैं कि,चींटी बहुत ही छोटी सी प्राणी है।वह अपने मुँह में दाना लेकर चलती है। चलते समय बहुत बार दीवार पर से फिसलती है,गिरती है।कभी-कभी दाना भी गिर जाता है ।पर वह अपना कोशिश नहीं छोड़ती है।उसे यह बुरा भी नहीं लगता है।आखिर उसकी कोशिश सफल होती है।कवि कहते हैं सदा कोशिश करनेवालों की कभी-भी हार नहीं होती है।

V. उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए :

उदा : पार - हार

१. चलती - फिसलती २.भरता - अखरता ३.लगाता - आता ४. बार - हार ५. स्वीकार – सुधार

VI. सफलता प्राप्त करने से संबंधित शब्दों पर गोला लगाइए :

सार्थक,परिश्रम,आत्मविश्वास,आराम से सोना,सतत अभ्यास,हैरान होना,बेकार का काम करना,पराजय का स्वीकार,सार्थक काम करना,कुछ करके देखना,शिक्षा प्राप्ति,भटकना,
भाग जाना,भला करना।

IX. अनुरूपता :

१.मेहनत : परिश्रम :: कोशिश : प्रयत्न

२. चढ़ना : उतरना :: हारना : जीतना

३. स्वीकार : इन्कार :: चैन : बेचैन

४.सिंधु : समुद्र :: हाथ : हस्त